

ASSOCIATES

1. Mark Mascarenhas
2. V. Chamundeswarnath
3. Dharampal Singh Malhotra & Surinder Kaur Malhotra
4. Hiren D. Hathi
5. Shobhan Mehta
6. Rattan Mehta and Mona Mehta
7. Deepak Kumar, Yudhishtar Kumar and Jyoti Kumar
8. Hans Kumar Jain and Rajesh Kumar Jain
9. Mukesh Gupta
10. Karun Dubey
11. Ms. Tapati Ahuja
12. Anand Saxena
13. Manmohan Khattar
14. Prashant Kumar Dash
15. Praveen Kumar Gupta and Atul Gupta
16. M/s Kamla Radio, Deepak Kumar

RELATIVES

1. P.M. Rungta
2. Ms. Sangeeta Bijlani
3. Moti Lal Bijlani
4. Deepak M. Rindani
5. Ms. Shan C.P. (Wife of Shri Daulatsinh Jadeja)
6. Ms. Sharda Bhatia
7. Ms. Shashawati Anand

Action on Sports Minister's Statement

††*225. SHRI SUKHDEV SINGH LIBRA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the reported statement which appeared in the Indian Express dated 9th July, 2000 made by Union Sports Minister to the effect that many senior cricketers in the Indian team have amassed assets worth Rs. 200 crores each;

††Starred Question Nos. 221 and 225 were taken together.

[8th August, 2000]

RAJYA SABHA

(b) if so, whether the Ministry of Finance propose to ask the Sports Minister to furnish the names of such cricketers; and

(c) if not, what action his Ministry has taken so far in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI V. DHANANJAY KUMAR): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Income tax searches have been conducted on 7 cricket players. The searches commenced on 20.7.2000.

श्रीमती सरोज दुबे: सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने धारा 132 के तहत क्रिकेट खिलाड़ियों और उनसे संबंधित व्यक्तियों के घरों में जो तलाशी ली है, उसकी एक लंबी सूची दी है और उनकी सम्पत्तियों का भी ज़िक्र किया है। एक आधा-अधूरा सा जवाब है लेकिन मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूँगी कि चूंकि आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक सम्पत्ति की जांच के मामले में जिस जगह से आपके आयकर अधिकारी बिना तलाशी लिए वापस आ गए, उसका आपने इसमें कोई ज़िक्र नहीं किया और इस लिस्ट में उसकी कोई चर्चा नहीं है जबकि खिचड़ीपुर में आयकर अधिकारी गए और वहां आपकी महत्वपूर्ण सहयोगी पार्टी, समता पार्टी की अध्यक्षा मौजूद थीं। उन्होंने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए एक क्रिकेट खिलाड़ी को बचाने के लिए जो आयकर अधिकारी वहां गए थे, उनको सर्च वारंट पर अमल नहीं करने दिया और उन्होंने वहां से कई टेलीफोन भी किए जिसका नतीजा यह हुआ कि वे आयकर अधिकारी वापस आ गए और आयकर अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए उन्होंने वर्तमान रक्षा मंत्री के घर पर.....(व्यवधान).....

श्री एस.एस. अहलुवालिया: सर, ये एक पार्टी के ऊपर....(व्यवधान).....

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Why is he obstructing?(*Interruptions*)....

श्री रामदेव भंडारी: सर, यह मैच फिक्सिंग से जुड़ा हुआ सवाल है....यह सवाल मैच फिक्सिंग से जुड़ा हुआ है।.....(व्यवधान)....

श्रीमती सरला माहेश्वरी: क्या ये उनका बचाव कर रहे हैं?.....(व्यवधान).....

MR. CHAIRMAN: Now, let the Minister reply....(*Interruptions*)...Please sit down....(*Interruptions*).....Let the Minister reply....(*Interruptions*)....Let the Minister reply....(*Interruptions*)....

श्रीमती सरोज दुबे: महोदय, मेरा सवाल पूरा होने दीजिए।

श्री सभापति: आपका सवाल पूरा हो गया है। आपका सवाल पूरा हो गया।.....(व्यवधान).....

श्री एस.एस.अहलुवालिया: महोदय, माननीय सदस्या.....(व्यवधान).....

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, who is he to intervene in between?....(*Interruptions*).....

श्री रामदेव भंडारी: महोदय, ये सवाल पूछने नहीं देना चाहते हैं।.....(व्यवधान).....

श्री सभापति: आप बैठिए.....आप बैठिए....Let the Minister reply...(*Interruptions*)....

श्रीमती सरोज दुबे: महोदय, मेरा सवाल अभी पूरा नहीं हुआ।

श्री सभापति: आपका सवाल हो गया पूरा....सवाल पूरा हो गया।....(व्यवधान)....

श्रीमती सरोज दुबे: सर, अभी तो मेरा सवाल शुरू हुआ है।.....(व्यवधान)....

श्री रामदेव भंडारी: सवाल पूरा नहीं हुआ है सर।....(व्यवधान)....

श्री सभापति: सवाल पूरा हो गया है।.....(व्यवधान).....अब आप सल्पीमेंटरी में पूछिएगा।....(व्यवधान).....

श्रीमती सरोज दुबे: महोदय, सवाल में मेरी बात पूरी नहीं हुई है....आप मेरी बात सुनिए।....(व्यवधान).....महोदय, आप मेरी एक बात सुन लें।....महोदय, मेरा सवाल हो जाए फिर अगर आपको ठीक न लगे तो आप रिकार्ड में मत जाने दीजिएगा।.....(व्यवधान)....

श्री एस.एस. अहलुवालिया: महोदय, माननीय सदस्या आयकर अधिकारियों के....(व्यवधान)....

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: You cannot stop her like that....(*Interruptions*)...

श्री वी. धनंजय कुमार: सभापति महोदय.....

MR. CHAIRMAN: Let the Minister reply....(*Interruptions*)....

श्रीमती सरोज दुबे: महोदय, सुनिए तो.....(व्यवधान).....

श्री रामदेव भंडारी: महोदय, यह सवाल मैच फिक्सिंग से जुड़ा हुआ है।

श्रीमती सरोज दुबे: महोदय, जो प्रेस कांफ्रेंस बुलाई गई....रक्षा मंत्री के घर पर जो प्रेस कांफ्रेंस बुलाई गई....(व्यवधान)....

श्री सभापति: फिर वही बात.....Let the Minister reply....(*Interruptions*)....Your second supplementary will come later....(*Interruptions*)....

[8th August, 2000]

RAJYA SABHA

श्रीमती सरोज दुबे: महोदय, रक्षा मंत्री के घर पर प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर आयकर अधिकारियों की आलोचना की गई और आयकर अधिकारियों पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने 50 हजार रुपए मांगे उन दस्तावेजों को नष्ट करने के लिए(व्यवधान).....

श्री एस.एस. अहलुवालिया: सभापति महोदय,(व्यवधान).....

श्री सभापति: आप जवाब दीजिए। प्लीज सिट डाउन, प्लीज सिट डाउन।

कुछ माननीय सदस्य:(व्यवधान).....

MR. CHAIRMAN: Let the Minister reply. हो गया, आप बैठिए।

श्रीमती सरोज दुबे: महोदय, वह कौन सा आयकर अधिकारी था, जिसने पचास हजार रुपये मांगे और वे कौन से डाक्यूमेंट्स थे जिनको नष्ट करने के लिए पचास हजार रुपए की मांग की गई।(व्यवधान)..... साधारण सी बात है।(व्यवधान).....

MR. CHAIRMAN: Your question is over. (*Interruptions*) A question cannot be five minutes' long. (*Interruptions*)

श्री रामदास अग्रवाल: सर(व्यवधान)..... बाध्य किया जाना चाहिए।(व्यवधान)..... जो आरोप लगा रहे हैं,(व्यवधान).....

श्रीमती सरोज दुबे: मुझे प्रश्न पूछने का भी अधिकार नहीं है।(व्यवधान).....

श्री राम दास अग्रवाल: बेबुनियाद आरोप लगाने का अधिकार नहीं है।(व्यवधान).....

MR. CHAIRMAN: A question cannot be five minutes long. (*Interruptions*)

श्रीमती सरोज दुबे: महोदय, हम यह जानना चाहते हैं कि वह कौन सा आयकर अधिकारी था जिसने सत्ता पक्ष के(व्यवधान). कौन से दस्तावेज थे,(व्यवधान).....

श्री वी. धनंजय कुमार: मान्यवर, आपकी आज्ञा से मैं माननीय सदस्या से विनप्र निवेदन करूँगा कि जो इन्होंने आरोप लगाए हैं, ये सत्य से दूर हैं।(व्यवधान).....

श्री बालकवि बैरागी: सर, इन्होंने आरोप नहीं लगाए हैं, यह अखबारों में आ चुका है।(व्यवधान).....

श्री रामदास अग्रवाल: आप इसको प्रमाणित करिए।(व्यवधान)..... बिना प्रमाण दिए अखबारों के आधार पर आरोप नहीं लगा सकते।(व्यवधान)..... यह सदन में कई बार हो चुका है।(व्यवधान).....

श्रीमती सरोज दुबे: आपने खंडन क्यों नहीं किया?(व्यवधान).....

श्री एस.एस. अहलुवालिया: सर,(व्यवधान)..... ओथंटिकेट कर सकते हैं(व्यवधान).....

श्रीमती सरोज दुबे: आखिर क्या बात है, खंडन क्यों नहीं किया?(व्यवधान).....

श्री सभापति: आप नई परंपरा में क्यों पड़ रहे हैं? मिनिस्टर रेप्लाई।

श्री वी. धनंजय कुमार: मान्यवर, सच बात यह है, तथ्य यह बताया गया है(व्यवधान).....

श्री सुरेश पचौरी: केवल सच कहिए और सच के अलावा कुछ मत कहिए।(व्यवधान).....

श्री वी. धनंजय कुमार: मैं माननीय सदस्या से विनम्र निवेदन करूँगा कि इन्होंने जो आरोप लगाए हैं वे सत्य से दूर हैं। सत्य यह है कि जो सच वारेंट निकाला था वह श्री अजय जडेजा के नाम पर निकाला था और उसका एड्रेस सी.एम. नं. 1064 नजदीक साहिबाबाद टेम्पल, विल्लेज खिरकी, न्यू दिल्ली था। जब अधिकारी लोग उधर गए और उनको यह पता लगा कि यह जगह, यह मकान जो बताया गया है, वह उनका नहीं है और जिस उद्देश्य से हमारे अधिकारी लोग वहां गए थे और उनको वहां जाकर(व्यवधान).....

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: He is trying to speak in Hindi.

MR. CHAIRMAN: Let him speak.

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Let him speak in Hindi.

श्री वी. धनंजय कुमार: मान्यवर, जिस उद्देश्य से हमारे अधिकारी वारेंट लेकर गए थे,, वह उद्देश्य पूरा होने के बाद ही वे वहां से लौटे।(व्यवधान).....

श्री संतोष बागड़ोदिया: सर,(व्यवधान).....

श्री सभापति: आप क्यों सवाल कर रहे हैं, आपकी टर्न नहीं है, उनका सप्लीमेंट्री है।

श्रीमती सरोज दुबे: सभापति महोदय, बहुत सी खबरें अखबारों में आई हैं।(व्यवधान)..... उस आधार पर उनके गलत कामों का खंडन करना चाहिए था मंत्री जी ने बताया कि आयकर अधिकारी गलत एड्रेस पर चले गए तो आपने उन अधिकारियों की गलती के लिए क्या कार्रवाई की? आयकर अधिकारी बिना किसी जांच-पड़ताल के इस तरह की गलती कैसे कर सकते हैं? समता पार्टी की अध्यक्षा ने आरोप लगाया कि आयकर अधिकारियों ने गंभीर दस्तावेजों को नष्ट करने के लिए पचास हजार रुपये मांगे, मैं इस संदर्भ में यह जानना चाहती हूँ कि वे कौन से गंभीर दस्तावेज थे और उन्हें नष्ट करने के लिए किन आयकर अधिकारियों ने पचास हजार रुपये मांगे? क्या आपको उन अधिकारियों का नाम पता चला? क्या आपको उन दस्तावेजों के बारे में कोई जानकारी है या आपने इस मामले की किसी प्रकार से जांच कराई? यह बहुत गंभीर मामला है।

श्री सभापति: हो गया, हो गया, अब आपका सवाल हो गया है(व्यवधान)..... नहीं नहीं, हो गया है।

श्री वी. धनंजय कुमार: सभापति महोदय, मैं उन्हीं ही नम्रता से पुनः कहना चाहूंगा कि मेरे विभाग के अधिकारियों ने कोई गलती नहीं की। उन्होंने कोई मांग नहीं की। जिस उद्देश्य से वे वहां गए थे उसे पूरा करने के बाद ही वापस लौटे हैं।

श्रीमती सरोज दुबे: हो सकता है, लेकिन समता पार्टी की अध्यक्षा ने आयकर अधिकारियों पर आरोप लगाए(व्यवधान).....

श्री सभापति: लिंगाजी, आपकी बारी है।

श्री सुखदेव सिंह लिंगाजी: सभापति महोदय, महकमा इनकम टैक्स की तरफ से जो लोग इनकम टैक्स के नाम से लिंगाजी को लोगों की निगाह में यह माना जाता है कि वे बेर्इमान लोग हैं। तो यह क्या कहा जाएगा कि वे बेर्इमान लोग हैं? यह क्या कहा जाएगा कि वे बेर्इमान लोग हैं? यह क्या कहा जाएगा कि वे बेर्इमान लोग हैं? यह क्या कहा जाएगा कि वे बेर्इमान लोग हैं? यह क्या कहा जाएगा कि वे बेर्इमान लोग हैं?

श्री वी. धनंजय कुमार: सभापति महोदय, यह कोई सवाल नहीं है। मान्यवर ढिंडसा जी सरकार के एक अभिन्न अंग है इसलिए उन्हें ऐसा कोई इंसेंटिव नहीं दिया जा रहा है।

प्रो. रामगोपाल यादव: सभापति महोदय, जब सी.बी.आई. किसी के घर जाती है या इनकम टैक्स के अधिकारी जाते हैं तो लोगों की निगाह में यह माना जाता है कि वे बेर्इमान लोग हैं। कई बार रेड करने वाले अधिकारी अखंबारों में इस तरह के बयान लीक करते हैं जिससे ऐसा लगता है कि जाने कितना बड़ा घपला पकड़ा गया है। बत्तीस लोगों के यहां रेड हुई है। चार करोड़ की परसंपत्तियां मिली हैं। ओन एन एवरेज साढ़े बारह लाख पड़ता है। इनकम टैक्स के किसी अधिकारी ने कहा कि रूंगटा जी के यहां सौ करोड़ की एफ.डी. पकड़ी गई जबकि सारी दुनिया जानती है कि यह क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का पैसा है। क्योंकि तेरह मामलों में ऐसा हो चुका है और फेरा मामले में कई लोगों का राजनैतिक जीवन बर्बाद हो गया हालांकि सारे आरोप झूठे पाए गए। इसलिए मैं दूसरे पक्ष से यह जानना चाहता हूं, जो इस तरह की रेड हों, उनमें इनकम टैक्स विभाग में कौन बेर्इमान लोग हैं यह बता दिया जाए। जिनके यहां आपके अधिकारी रेड डालने जाते हैं परंतु फिर भी उनके पास कुछ न निकले तो ऐसे अधिकारियों के खिलाफ आप क्या कार्रवाई कर रहे हैं?

श्री वी. धनंजय कुमार: सभापति महोदय, इस मामले में जो जांच हो रही है वह अभी अधूरी है। जांच शीध्र ही पूरी होनी है। पूरी होने के बाद ही हमें पता लगेगा कि क्या है, क्या नहीं है, और कौन-कौन ईमानदार लोग हैं। सभापति महोदय, अभी तक जो नतीजा निकला है उससे यह साबित हुआ है कि चार करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की गई हैं, बाकी की जांच अभी जारी है। इसलिए

यहां यह कहने की गुंजाइश नहीं है कि बगैर किसी कारण के हमारे अधिकारियों ने जाकर ऐसा कार्रवाई की है।

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, under section 132 of the Income-tax Act, the income-tax authorities are authorised to search the premises, seize documents and make an inventory. That is the power which is given to the income-tax people under the law. In the course of the supplementary, the hon. Minister suggested that the purpose for which the income-tax officers visited a particular place, which has not been referred to in the list, was served, if I understood his Hindi correctly. He said, ""poora uddesh sidh ho gaya". I would like to know as he has given a break-up of 32 premises in the annexure-whether any incriminating documents and cash were seized. I would also like to know the particulars of these seizures and the purpose for which they visited that particular premises.

SHRI V. DHANANJAY KUMAR: Sir, a total number of 90 premises were searched.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Does it include that?

SHRI V. DHANANJAY KUMAR: Altogether 90 premises were searched. Sir, 29 lockers were searched. Sir, total cash worth Rs. 37.1 lakh was seized. Jewellery worth Rs. 128.80 lakh was seized. And the other assets worth Rs. 224.13 lakh were seized. Sir, total material worth Rs. 384.64 lakh was seized. The inquiry is on. Still we have to open 25 more lockers. We have to complete the proceedings in respect of other premises also.

श्री संजय निरुपमः सभापति महोदय, क्रिकेट खिलाड़ियों और क्रिकेट जगत से जुड़े हुए जो महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं उन के घरों में जो आयकर विभाग ने छापे डाले हैं, इसकी शुरूआत हुई थी मैच फिक्सिंग से। मैच फिक्सिंग का जो आरोप लगाया गया था, जब उसकी छानबीन शुरू हुई तो उस छान-बीन के दरमियान यह बात यहां तक पहुंची है। इन छापों के दौरान जो डाकुमेंट पाए गए हैं, इन डाकुमेंट के बारे में मंत्री जी कितना बताना चाहेंगे, मुझे नहीं मालूम। लेकिन कहीं न कहीं इन डाकुमेंट्स के बारे में अखबारों में खबरें आ रही हैं और वे यह है कि इन डाकुमेंट्स में उनके मैच फिक्सिंग में शामिल होने का कहीं न कहीं सबूत है। अगर माननीय मंत्री जी के पास कोई ऐसी जानकारी है तो वह सदन को बतायें? मेरा प्रश्न का पहला पार्ट यह है और दूसरा पार्ट यह है कि क्या मंत्री जी संबंधित मंत्रालयों को उन डाकुमेंट्स या उन दस्तावेजों के आधार पर यह निर्देश देंगे, विशेषकर खेल मंत्रालय को कि जिन खिलाड़ियों पर ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं उन खिलाड़ियों पर फार दि टाइम बीइंग, कुछ समय के लिए खेलने पर प्रतिबंध लगाया जाए और जो बीसीसीआई

के आफिस बियरस हैं उनको वहां से हटाया जाए? तीसरा पार्ट जो मैं पूछना चाहता हूं वह यह है कि एक-दो दिन पहले तहलका डाट काम की तरफ से एक डाट काम मैगजीन है, उसमें खबर आई है कि हिन्दुस्तान की क्रिकेट टीम के एक भूतपूर्व कप्तान का संबंध हिन्दुस्तान के एक बहुत ही खतरनाक माफिया सरगना के साथ हैं और उनका बैंक एकाउन्ट है पाकिस्तान में, एक ज्वाइंट बैंक एकाउन्ट है पाकिस्तान क्रिकेटर के साथ और उनके पास 170 करोड़ रुपये की अवैध सम्पत्ति तैयार है। इस बारे में जो भी जानकारी हो साफ-साफ शब्दों में मंत्री महोदय बताने की कोशिश करें? धन्यवाद।

श्री वी. धनंजय कुमार: माननीय सदस्य के प्रश्न का दूसरा और तीसरा पार्ट इस प्रश्न से संबंधित नहीं है। पहला भाग जो है सर, उसमें जितनी सम्पत्ति हमें जब्त की है उसका विवरण मैंने दिया है। अभी हमारा उद्देश्य यह है कि जिन लोगों के पास अघोषित सम्पत्ति है, जिसके ऊपर उन्होंने सरकार को कर नहीं दिया है उसके बारे में जांच करके कर संग्रह करना। बाकी जो भी माननीय सदस्य ने बताया है उसमें हमारी कोई रुचि नहीं है। (व्यवधान)

श्री सभापति: श्री रामूवालिया।

श्री संजय निरुपम: सभापति महोदय, मंत्री महोदय का यह कहना कि बाकी बातों में हमारी कोई रुचि नहीं है, ठीक नहीं है। कोई बात सदन को न बताना यह मेरे ख्याल से हमारे अधिकारों का हनन है, यह सदन को गुमराह करने जैसी बात हो रही है। माननीय मंत्री महोदय को यह बताना पड़ेगा कि क्या भारत के भूतपूर्व क्रिकेट कप्तान(व्यवधान).... उनकी अवैध सम्पत्तियों के बारे में बताना पड़ेगा।

श्री नरेन्द्र मोहन: प्रश्न क्रिकेट खिलाड़ियों के बारे में है। जो जानकारी संजय जी ने चाही है वह यह है कि क्या भारत के किसी भूतपूर्व क्रिकेट खिलाड़ी का कोई ऐसा ज्वाइंट बैंक एकाउन्ट है जिसमें दूसरा सदस्य एक पाकिस्तानी खिलाड़ी है।(व्यवधान)... क्या कोई क्रिकेट खिलाड़ी ऐसा है जिसने अवैध संपत्ति अर्जित की है और माफिया लोगों के साथ उसका संबंध है? (व्यवधान)

श्री वी. धनंजय कुमार: माननीय सदस्य के बारे में, क्रिकेट के बारे में खेल मंत्रालय बता पाएगा। हमें उसका कोई ... (व्यवधान)

श्री संजय निरुपम: आपके पास कोई दस्तावेज है ... (व्यवधान)

श्री वी. धनंजय कुमार: हमारा उससे कोई संबंध नहीं है। (व्यवधान)

श्री सतीश प्रधान: सवाल के भाग 'डी' में यह पूछा गया है कि आप आगे क्या ऐक्षण ले रहे हैं, यह भी आपको बताना है। क्या ऐक्षण लेंगे, यह आपको बताना पड़ेगा? (व्यवधान)

वित्त मंत्री (श्री यशवन्त सिन्हा): सभापति महोदय, मेरे सहयोगी मंत्री ने अभी सदन को जानकारी दी है। जो अस्सेट्स वहां पर अधोषित मिले, उसकी जानकारी हमने तत्काल सदन को दी है। इसके साथ ही साथ उनको कागजात भी मिले हैं। उन कागजात की समीक्षा हो रही है। उन कागजात की समीक्षा के आधार पर अगर वित्त मंत्रालय, इनकम टेक्स विभाग इस नतीजे पर पहुंचता है कि अधोषित आय है तो उस पर इनकम टेक्स विभाग आय कर लगाएगा। इसके इलावा सभापति महोदय, सी.बी.आई. को जांच बड़े पैमाने पर मैच फिक्सिंग के बारे में चल रही है। अगर हमें जांच के दौरान ऐसे कागजात मिले जिससे उन लोगों को जांच करने में मदद मिलेगी तो हम निश्चित रूप से उन कागजात को उनके साथ शेयर करेंगे ताकि उनको जांच में सुविधा मिल सके। तीसरा प्रश्न संजय निरूपम जी का यह था कि उन खिलाड़ियों को खेलने से रोका जाएगा या नहीं। यह अधिकार क्षेत्र खेल मंत्रालय का है और खेल मंत्री फैसला करेंगे कि किन खिलाड़ियों को खेलने दिया जाए और किन खिलाड़ियों को नहीं खेलने दिया जाए।

श्री बलवन्त सिंह रामवालिया: सभापति जी, बहुत गम्भीर विषयों पर, टेक्स पेयर्स की मनी वगैरह पर प्रश्न किये जा रहे हैं। मैं बहुत संक्षेप में कहना चाहता हूं। क्रिकेट बोर्ड के व्वार्लज, क्रिकेट बोर्ड के इलेक्शन, क्रिकेट बोर्ड के सिलेक्शन, इस में बड़े-बड़े सरकारी अधिकारियों का वक्त जाया होता है, मेरी पड़ताल के मुताबिक कई अधिकारी 25-25 दिन तक विदेश में रहते हैं, वह अधिकारी क्रिकेट बोर्ड से जुड़े हैं, हॉकी से जुड़े हैं, स्पोर्ट से जुड़े हैं। कई अधिकारी एक हफ्ते में 6 दिन दफ्तर नहीं आते हैं। कई अधिकारी एक दिन में 90 प्रतिशत सिर्फ क्रिकेट की झगड़े की बात करते हैं, कइयों के कल्बों के झगड़े हैं। यह अधिकारी और उच्च अधिकारी जो टेक्स पेयर्स की मनी से तनख्वाह लेते हैं, ऐसे अधिकारियों की डयुटी पब्लिक सर्विस करना है, ऐसे अधिकारी पब्लिक सर्विस नहीं करते हैं, क्रिकेट के झगड़ों में 6-6 महीने गुजारते हैं, क्या सरकार ऐसे अधिकारियों को रोकने के लिए सोच रही है?

श्री यशवन्त सिन्हा: सभापति महोदय, यह एक सुझाव है जो हम संबंधित मंत्रालय तक पहुंचा देंगे।

श्री संतोष बागड़ोदिया: सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने एक लिस्ट दी है। इस लिस्ट में उस नाम का जिक्र नहीं किया है जिसके लिए कि वे खुद बोल रहे हैं कि वहां हमारे लोग गये थे और उनको जो काम करना था, उन्होंने वह किया। एक तो यह हाऊस को मिसगाइड किया। दूसरी बात उनकी जो शिकायत है, मैं मानता हूं कि जब यह हमारे अधिकारी जाते हैं तो एक नियम है कि वे अपना सब दिखाएं। वह जब अंदर गये हैं तो ऐसी चीज खुद ही प्लांट तो नहीं कर रहे हैं। जैसे उस महिला ने कहा कि वह आ गये एकदम सीधे अंदर बेड रूम में घुस गये। यह बात होती है। इस बारे में आपने क्या कोई इन्क्वायरी की? उन्होंने जो भी शिकायत की है क्या उसकी इन्क्वायरी आपने की है। इस तरह से अफसर हमेशा ऐसा करते हैं। उसका क्या आप कोई रास्ता निकालेंगे कि

[8th August, 2000]

RAJYA SABHA

किसी के घर की प्राइवेसी में जाएं तो नियमानुसार जाएं। ऐसा न हो कि जबरदस्ती अंदर घुस जाएं और मनमाने ढंग से स्त्रियों और बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करें। इसके बारे में आप क्या करेंगे?

श्री वी. धनंजय कुमार: मान्यवर, जब भी हमारे अधिकारी लोग ऐसी कार्यवाही के लिए जाते हैं जो बड़ी नर्मी से और संयमता से अपना काम निपटाते हैं। उनको पहले से निर्देश दिया गया है कि जो अच्छा व्यवहार करें और बड़ी शालीनता से अपनी जवाबदारी की निपटाएं। जहां तक एक आरोप की बात कही गयी, हमारे पास ऐसा कोई आरोप दर्ज नहीं है और कहीं भी हमने ऐसे आरोप को देखा नहीं है।

SHRI J. CHITHARANJAN: Hon. Chairman, Sir if I have understood the Minister correctly, the hon. Minister has said considering that the house nearby the Sai Baba Temple or Institute was the place where Jadeja was living, orders were issued to search that place. He has also said that when they reached there, they came to understand that that house was not the place where Jadeja lived. Then, he has said that they served the purpose and so they returned. If they could not enter the house where Jadeja was living, how could they serve the purpose? I cannot understand that.

There were reports that, in order to find whether Jadeja has amassed disproportionate wealth, the officers visited some place. The officers have gone beyond the limits. A very responsible person, being the President of a constituent of the NDA, has made such an allegation. What has the Government to say about that? I want to know the places that they have searched in order to ascertain whether Jadeja had amassed disproportionate wealth, whether they met with any obstruction at some places, and, if so, from whom?

SHRI V. DHANANJAY KUMAR: Sir, as soon as the reported statement came to the notice of the Government, we made enquiries into the allegations made therein, and we found that there was no truth in the allegations made. In fact, Sir, the officers who had gone to the Khirki village, had recorded the statement also. The statement is very clear. That is why, in my earlier statement, I made it clear that the officers who had gone there with a specific purpose, after achieving that, had returned. No such allegation was found to be true.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: You should file a suit against the President of the Samata Party for the defamation of the officers. What action have you taken against the person who has made these allegations publicly against your officers? Why don't file a suit against the President of the Samata Party for the defamation? How will you protect the officers otherwise? Will

you take action against the President of the Samata Party?

SHRI V. DHANANJAY KUMAR: My senior will reply to this.

SHRI YASHWANT SINHA: Sir, there is much excitement in the House in this regard.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Agitation.

SHRI YASHWANT SINHA: I would like to share some information with the House. That information is that these searches were conducted on the 20th of July. As my colleague has explained, the Income Tax Department had issued a search warrant for Mr. Jadeja at this address. They went there. They went inside the House. They recorded the statements of the President of the Samata Party and her daughter. They received full co-operation. They had some information with regard to a car. The keys of the car were made available to them. There was absolutely nothing that was held back. There was some confusion in regard to the character of the two dogs which were in the house, which confronted the raiding party, the search party, which went there. The President of the Samata Party met me personally on the 21st, one day after the searches were conducted. She had personally told me about how things took place. When I came back, I asked my Department to look into these matters. These matters were looked into. We came to the conclusion that those had no basis. That is where the matter rests.

श्री सुरेश पचौरी: माननीय सभापति महोदय, पूरा देश इस बात को जानता है कि जब आय कर अधिकारी 20 जुलाई को खिचड़ीपुर गए तो उस समय अजय जडेजा देश में नहीं बल्कि विदेश में था। यह प्रश्न लागू नहीं होता है कि उसके नाम पर वारंट था, बल्कि प्रश्न इस बात का है कि ऐसे कौन से तथ्य और दस्तावेज़ थे जिनसे प्रभावित हो कर आय कर अधिकारी सर्च वारंट सहित 20 जुलाई को खिचड़ीपुर गए थे और साथ ही ऐसे कौन से तथ्य और कारण बने जिनसे प्रभावित होकर ये आय कर अधिकारी बगैर रेड किए हुए 20 जुलाई को वहां से वापिस आ गये? मैं आपके माध्यम से सरकार से यह भी जानना चाहता हूं कि सीबीडीटी के जो नोर्म्ज़ हैं, क्या उनका पालन हुआ? क्या समता पार्टी की अध्यक्ष ने वहां टेलीफोन काल किए? क्या आपके विभाग को यह जानकारी है... (व्यवधान)... क्या आपके विभाग को ... (व्यवधान) मैं सभापति महोदय की आज्ञा से पूछ रहा हूं।

श्री एस.एस. अहलुवालिया: महोदय, एक ही सवाल बार-बार पूछा जा रहा है, क्यों?

श्री सुरेश पचौरी: जी नहीं, अगर आपकी समझ में नहीं आता है तो खड़े मत हुआ करें।

...(व्यवधान)...सभापति महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहूंगा। मैं बिल्कुल सीधा-सीधा प्रश्न कर रहा हूं कि क्या वित्त विभाग की जानकारी में यह बात आई है कि जब आय कर अधिकारी वहां गए थे तो सीबीडीटी नॉर्म्ज का वायलेशन करते हुए समता पार्टी की अध्यक्ष ने समता पार्टी के ऑफिस और एक राज्य के मुख्य मंत्री को टेलीफोन किया था? आपने स्वयं स्वीकार किया कि 21 जुलाई को समता पार्टी की अध्यक्ष आपसे मिली थीं और उस संबंध में बात की थी। मैं आपके माध्यम से अपने प्रश्न का तीसरा पॉर्ट यह जानना चाहता हूं कि क्या वित्त विभाग यह बताएगा कि जब आय कर अधिकारी, वहां गए और मि. जडेजा के ऑफिस में बाद में गए, तो क्या समता पार्टी की अध्यक्ष या उसके परिवार के द्वारा, इन आय कर अधिकारियों के खिलाफ 50 हजार रुपये लेने संबंधी या बिना खाने संबंधी कोई लिखित शिकायत मिली है? और यदि नहीं मिली है, तो उन आरोप लगाने वालों के खिलाफ क्या कार्यवाही की जा रही है?

श्री एस. एस. अहलुवालिया: यह सवाल आप दस बार पूछ चुके हैं।

श्री सुरेश पचौरी: मंत्री जी को उत्तर देने दीजिए।

श्री यशवंत सिन्हा: सभापति महोदय, मैं और मेरे सहयोगी मंत्री जितनी स्पष्टता के साथ अपनी बात सदन के सामने रख सकते हैं, उतनी ही स्पष्टता के साथ, बिना कोई इन्फर्मेशन विदहोल्ड किए, हम सदन के सामने उन तथ्यों को रख रहे हैं। मैं जोर देकर यह कहना चाहूंगा कि इस मामले में सीबीडीटी के किसी नियम, किसी नॉर्म का उल्लंघन नहीं हुआ था और सीबीडीटी के लोग वहां जिस सूचना के आधार पर गए थे, समता पार्टी की अध्यक्षा और उनकी पुत्री, उन्होंने स्वयं बोलेट्रिली उस सूचना को उनके साथ शेयर किया। कहीं कोई छुपाने की बात नहीं थी। कार की बात आई, उन्होंने कार की चाबी दे दी। इसलिए अब इसमें मुझे नहीं लगता कि कोई ऐसी बात है जिसमें कि कुछ और अधिक बताने की आवश्यकता है। जितनी सूचना हमारे पास है, हम दे रहे हैं। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि न केवल इस केस में बल्कि बहुत सारे ऐसे केसेज विभाग में हैं जहां कि कोई सर्च वारंट लेकर जाता है और अगर पूरा कोऑपरेशन होता है तो सर्च वारंट एंकजेक्यूट नहीं किया जाता। यह कोई पहला केस नहीं है। इसलिए इस में कोई फोन किसी के पास समता पार्टी की अध्यक्षा के द्वारा नहीं किया गया था कि रेड/सर्च को रोका जाय। यह मैं जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं और इस के चलते सर्च में कोई कमी नहीं आने दी गयी है और न आने दी जाएगी।

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I am sorry, Sir. The President of the Samata Party herself said so in the press conference. How can he mislead the House like this. (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: Shri Venkaiah Naidu. (*Interruption*).

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Please direct the Finance Minister not to be... (*Interruptions*).

श्री संघ प्रिय गौतमः सभापति जी, 35 मिनिट हो गए एक सवाल पर।

श्री सभापतिः एक नहीं, दो सवाल हैं।

श्री राजू परमारः आप क्यों भाग रहे हो सवाल से? ...(*व्यवधान*)

श्री एम. वेंकैया नायडुः कौन भाग गया? केवल कोट्रेची भाग गया है भारत से I...(*व्यवधान*)... कोई नहीं भागा है, जहां तक मेरी जानकारी है, केवल कोट्रेची भाग गया है। वही सच है, देश के सामने ...(*व्यवधान*)... Sir the question is (*Interruptions*). What is this? (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: Shri Venkaiah Naidu. Please put the question.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I can put the question provided there is "shanti". (*Interruptions*). Whenever Venkaiah Naidu's name is called, I find three women standing. I have a different perception. (*Interruptions*). Mr. Chairman, I have a different perception about the entire question. Sir, these cricketers are also...(*Interruptor*).

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, we do not want his perceptions. (*Interruptions*).

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: If you have a prejudice against the Samata Party chief, fight it out outside. (*Interruptor*).

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: No prejudice. Sir, please excuse me. There is no question of any prejudice. If they are not aware of the questionnaire, they must just find out what the questionnaire is. It is not a question of perceptions. Let me set his mind at rest. Some people should be important enough for prejudice also.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: You are guiding the Chairman!

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I am not guiding anyone.

MR. CHAIRMAN: Shri Venkaiah Naidu.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: It is very difficult to function without the rules being observed by them. That is my problem. My question is very simple. (*Interruptions*). Yes, the Samata Party definitely observes them. There is no doubt about it. Samata observes, Mamata observes, Bharatiya Janata observes; everybody observes except yourself and your party.

The question I would like to put to the Minister is this. These raids are a process that is still going on. Whatever information that is to be made available,

the Government of India or the concerned officials have to be extra careful. You must also understand the other side, the cricketers. Unless they are proved guilty, nobody should try to make any effort to damage their reputation. I am not talking for cricketers. Who is guilty, not guilty, will be known after a thorough inquiry. The CBI inquiry is on and raids are also going on. Will the Government refrain from making the names public till the inquiry is over? This is my specific question. (*Interruptions*). That is my view. Why are you so concerned? Why are you so much against cricket? (*Interruptions*).

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: It is a free country. (*Interruptions*).

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Why are you against the other women?

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: It is a free country. (*Interruptions*). It is not a question of women. She called a press conference. I did not call a press conference. The President of the Samata Party called a press conference, not me. (*Interruptions*).

SHRI YASHWANT SINHA: Sir, I entirely share the concern expressed by the hon. Member, Shri Venkaiah Naidu and also the concern expressed by Ram Gopalji. These searches have been conducted, the documents, are being examined and the Department has not come to any conclusion. There should be no trial outside the court and the appointed authorities in this matter. I entirely agree with this. I do not think anyone of us, including the Government, and the Ministers of the Government, have a right to play with the reputation of any citizen of this country. As far as we are concerned, in the Government, and on behalf of the Department and the Ministry which I head, I would like to assure the House that we shall maintain the greatest circumspection in ensuring that nobody is maligned before the matter is fully examined.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, in the answer, in the category of Associates, at serial number 10, there is a gentleman known as Karan Dubey. Now, I would like to put three questions. It is a fact that Mr. Karan Dubey is the son-in-law of a very important Congress leader? Secondly, is it a fact that a raid was conducted at the residence of that Congress leader? Thirdly, is it a fact that that Congress leader sought to influence the course of the raid?

SHRI V. DHANANJAY KUMAR: Sir, so far as the name of Karan Dubey is concerned, it is mentioned in the annexure to the main question. He is one of the persons named as associates against Lohom the search action is initiated. We are not aware of the relationship of Karan Dubey with any Congress leader

or with anybody else. (*Interruptions*) No search action is carried out against any such Congress leader.

MR. CHAIRMAN: Now, Question No. 222. (*Interruptions*)

श्री सुरेश पचौरी: सर, यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है, इस पर हाफ-एन-ऑवर डिस्कशन होनी चाहिए। (व्यवधान) ... सर, यह सदन बहुत सारी चीजें जानना चाहता है, आपकी कृपा होगी अगर इस पर हाफ-एन-ऑवर डिस्कशन अलाउ किया जाए। (व्यवधान) ... हाफ-एन-ऑवर डिस्कशन के लिए आज्ञा प्रदान की जाए, ऐसा अनुरोध है।

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, many of us wanted to put questions. (*Interruptions*)

नागर विमानन क्षेत्र में विदेशी कम्पनियों का प्रवेश

*222. **श्री नरेन्द्र मोहन:** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) नागर विमानन क्षेत्र में विदेशी कम्पनियों के प्रवेश के संबंध में सरकार की नीति क्या है;
- (ख) नागर विमानन क्षेत्र में सिंगापुर एयरलाइन्स द्वारा निवेश हेतु व्यक्त की गई इच्छा के प्रति सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और
- (ग) नागर विमानन क्षेत्र में अब तक विदेशों से कितना निवेश प्राप्त हुआ है और यह निवेश किन-किन एयरलाइन्स ने किया है?

नागर विमानन मंत्री (श्री शरद यादव): (क) से (ग) एक विवरण सदन के सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) घरेलू विमान परिवहन सेक्टर में अनिवासी भारतीय (एनआरआई)/विदेशी निगमित निकायों (ओसीबी) की भागीदारी 100% जबकि विदेशी इकिवटी भागीदारी 40% की अनुमति है। तथापि, विदेशी एयरलाइंस इकिवटी की प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मनाही है।

(ख) चूंकि घरेलू विमान परिवहन सेवा सेक्टर में विदेशी एयरलाइंस इकिवटी की अनुमति नहीं है इसलिए मैं सिंगापुर एयरलाइंस की ओर से घरेलू विमान परिवहन सेवा सेक्टर में भागीदारी हेतु निवेश, यदि कोई हो, के विषय में विचार नहीं किया जा सकता है।

(ग) घरेलू नागर विमानन सेक्टर में अनुमोदित विदेशी निवेश को दर्शाने वाली तालिका संलग्न है।